Ministry of Cooperation | सहकारिता मंत्रालय
Government of India | भारत सरकार

NCCT CO-OP NEWS BULLETIN

Date: 10.02.2024

Sr No	Date	Publication	Edition	Page no.
1.	09-02-2024	Mana Telangana	Telangana	6
2.	09-02-2024	Bureau Sandesh	Udaipur	2
3.	09-02-2024	Dainik Taj Bharti	Udaipur	3
4.	10-02-2024	Dainik Dhola maru	Udaipur	2

Publication:	Mana Telangana, Pg 6	Edition: Telangana	Print
Published Date:	February 09, 2024		

మన తెలంగాణ

ఆధునీకరణ దిశగా గ్రామీణ సహకార వ్యవస్థ

గ్రామీణ సహకార వ్యవస్థకు ఆర్థికంగా ఊతమిస్తున్న కేంద్ర బడ్జెట్

స్టేట్ కోఆర్డినేటర్ డాక్టర్ ఎస్ఎల్ఎన్టి శ్రీనివాస్

మన తెలంగాణ/సైదాపూర్:ఆధునీకరణ దిశగా గ్రామీణ సహకార వ్యవస్థ మందుకు వెళ్తుందని,గ్రామీణ సహాకార వ్యవస్థకు ఆర్థికంగా 2024కేంద్ర ప్రభుత్వం ప్రవేశపేట్టిన బడ్జేట్ మరింత ఉతమిస్తుందని స్టేట్ కోఆర్డినేటర్ డాక్టర్ ఎస్ఎల్ఎన్టి శ్రీనివాస్ తెలిపారు.గురువారం కరీంనగర్ జిల్లా సైదాపూర్ మండల కేంద్రంలో వివిధ రుల సమావేశంలో డాక్టర్ శ్రీనివాస్ మాట్లాడుతూ సహకారం ద్వారా ఆర్థిక శ్రేయస్సు అనే నినాదానికి అనుగుణంగా మధ్యంతర కేంద్రప్రభుత్వ బడ్జేట్ రైతులకు సాధికారిత కల్పించే విధంగా అనేక కార్యక్రమాలకు శ్రీకారం పలకడం జరిగిందని చెప్పారు.దేశ ప్రధాని నరేంద్ర మోడి నాయకత్వంలో కేంద్ర సహకార మంత్రిత్వశాఖ చేపట్టిన 54కార్యక్రమాలను ముందుకు తీసుకువెళ్లే విధంగా బడ్జేట్ కల్పించిందని చెప్పారు.గ్రామీణ సహకార రుణ పరపతి వ్యవస్థకి గేమ్ చేంజర్‌గా కేంద్ర క్యాబినేట్ 2024బడ్జేట్ మరింత ఉతమిస్తుందని చెప్పారు.వ్యవస్థగత అసమానతలు,ప్రాసెసింగ్,మౌలిక సదుపాయాల బలోపేతం,మహిళ సాధికారితా,ఆక్వా పార్క్‌ల ఏర్పాటు ,సహకార గృహా నిర్మాణ రంగలో రుణాలు మంజూరి,సుక్ష్మ ఆహార ప్రాసెసింగ్,తదితర వాటితో 2024 బడ్జెట్‌లో గోప్ప మార్పుకు నాంది కానుందని డాక్టర్ శ్రీనివాస్ చెప్పారు.

Date: 09/02/2024, Edition: Karimnagar (Karimnagar), Page: 6
Source : https://epaper.manatelangana.news/

Publication:	Bureau Sandesh_pg 02	Edition: Udaipur	Print
Published Date:	February 09, 2024		

2475 पैक्स/सहकारी समितियों को जन औषधि केंद्र संचालित करने के लिए प्रारंभिक मंजूरी मिली: अमित शाह

उदयपुर। देश में करीब 2475 प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसाइटी (पीएसीएस) अथवा पैक्स को फार्मास्यूटिकल्स विभाग के अंतर्गत आने वाले फार्मास्यूटिकल और मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया की तरफ से जन औषधि केंद्र चलाने की प्रारंभिक अनुमति मिल गई है । इनमें से करीबन 617 सहकारी कृषि दिन समितियां को स्टेट ड्रग कंट्रोलर द्वारा ड्रग लाइसेंस दे दिए गए हैं और वे अतिशीघ्र जनऔषधि केंद्र का संचालन शुरू कर पाएंगे। यह जानकारी भारत के सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी. उल्लेखनीय है कि अब तक 34 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों से कुल 4,629 पैक्स/सहकारी समितियों ने जन औषधि केंद्रों के संचालन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है। मंत्री ने आगे कहा कि फार्मास्यूटिकल और मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) द्वारा 1000 से अधिक पैक्स/सहकारी समितियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। ग्रामीण नागरिकों तक जेनेरिक दवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल (मिनिस्ट्री ऑफ़ केमिकल एंड फर्टिलाइजर) के प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत सरकार ने पैक्स को जन औषधि केंद्र के संचालन की अनुमति प्रदान की है। जन औषधि केंद्रों के रूप में कार्य करने वाले पैक्स ग्रामीण नागरिकों को सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने में सक्षम होंगे, जिनकी कीमत खुले बाजार में ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50-90 प्रतिशत कम हैं, जिनमें लगभग 2,000 दवाएं और लगभग 300 सर्जिकल आइटम शामिल हैं। पैक्स को अतिरिक्त रोजगार के अवसर और अतिरिक्त राजस्व स्रोत भी मिलेंगे। राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस के अनुसार, देश में 1,03,369 पीएसीएस हैं। हालाँकि, वे सभी क्षेत्रों में समान रूप से वितरित नहीं हैं। मंत्री शाह ने कहा कि उनके विषम वितरण को संबोधित करने के लिए, सरकार ने 15 फरवरी 2023 को अगले पांच वर्षों में ऐसे सभी पंचायतों जहां पैक्स मौजूद नहीं है वहां नए बहुउद्देशीय पैक्स या प्राथमिक डेयरी/मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना की योजना को मंजूरी दे दी है।

Publication:	Dainik Taj Bharti_pg 03	Edition: Udaipur	Print
Published Date:	February 09, 2024		

2475 पैक्स/सहकारी समितियों को जन औषधि केंद्र संचालित करने के लिए प्रारंभिक मंजूरी मिलीः अमित शाह

उदयपुर। देश में करीब 2475 प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसाइटी (पीएसीएस) अथवा पैक्स को फार्मास्यूटिकल्स विभाग के अंतर्गत आने वाले फार्मास्यूटिकल और मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया की तरफ से जन औषधि केंद्र चलाने की प्रारंभिक अनुमति मिल गई है । इनमें से करीबन 617 सहकारी कृषि दिन समितियां को स्टेट ड्रग कंट्रोलर द्वारा ड्रग लाइसेंस दे दिए गए हैं और वे अतिशीघ्र जनऔषधि केंद्र का संचालन शुरू कर पाएंगे। यह जानकारी भारत के सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी. उल्लेखनीय है कि अब तक 34 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों से कुल 4,629 पैक्स/सहकारी समितियों ने जन औषधि केंद्रों के संचालन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है। मंत्री ने आगे कहा कि फार्मास्यूटिकल और मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) द्वारा 1000 से अधिक पैक्स/सहकारी समितियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। ग्रामीण नागरिकों तक जेनेरिक दवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल (मिनिस्ट्री ऑफ़ केमिकल एंड फर्टिलाइजर) के प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत सरकार ने पैक्स को जन औषधि केंद्र के संचालन की अनुमति प्रदान की है।

जन औषधि केंद्रों के रूप में कार्य करने वाले पैक्स ग्रामीण नागरिकों को सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने में सक्षम होंगे, जिनकी कीमत खुले बाजार में ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50-90 प्रतिशत कम हैं, जिनमें लगभग 2,000 दवाएं और लगभग 300 सर्जिकल आइटम शामिल हैं। पैक्स को अतिरिक्त रोजगार के अवसर और अतिरिक्त राजस्व स्रोत भी मिलेंगे।

राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस के अनुसार, देश में 1,03,369 पीएसीएस हैं। हालाँकि, वे सभी क्षेत्रों में समान रूप से वितरित नहीं हैं। मंत्री शाह ने कहा कि उनके विषम वितरण को संबोधित करने के लिए, सरकार ने 15 फरवरी 2023 को अगले पांच वर्षों में ऐसे सभी पंचायतों जहां पैक्स मौजूद नहीं है वहां नए बहुउद्देशीय पैक्स या प्राथमिक डेयरी/मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना की योजना को मंजूरी दे दी है।

Publication:	Dainik Dhola maru_pg 02	Edition: Udaipur	Print
Published Date:	February 10, 2024		

2475 पैक्स/सहकारी समितियों को जन औषधि केंद्र संचालित करने के लिए प्रारंभिक मंजूरी मिली: अमित शाह

उदयपुर। देश में करीब 2475 प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसाइटी (पीएसीएस) अथवा पैक्स को फार्मास्यूटिकल्स विभाग के अंतर्गत आने वाले फार्मास्यूटिकल और मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया की तरफ से जन औषधि केंद्र चलाने की प्रारंभिक अनुमति मिल गई है ।

इनमें से करीबन 617 सहकारी कृषि दिन समितियां को स्टेट ड्रग कंट्रोलर द्वारा ड्रग लाइसेंस दे दिए गए हैं और वे अतिशीघ्र जनऔषधि केंद्र का संचालन शुरू कर पाएंगे। यह जानकारी भारत के सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी. उल्लेखनीय है कि अब तक 34 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों से कुल 4,629 पैक्स/सहकारी समितियों ने जन औषधि केंद्रों के संचालन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है। मंत्री ने आगे कहा कि फार्मास्यूटिकल और मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) द्वारा 1000 से अधिक पैक्स/सहकारी समितियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। ग्रामीण नागरिकों तक जेनेरिक दवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल (मिनिस्ट्री ऑफ़ केमिकल एंड फर्टिलाइजर) के प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत सरकार ने पैक्स को जन औषधि केंद्र के संचालन की अनुमति प्रदान की है।

जन औषधि केंद्रों के रूप में कार्य करने वाले पैक्स ग्रामीण नागरिकों को सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने में सक्षम होंगे,

जिनकी कीमत खुले बाजार में ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50-90 प्रतिशत कम हैं, जिनमें लगभग 2,000 दवाएं और लगभग 300 सर्जिकल आइटम शामिल हैं। पैक्स को अतिरिक्त रोजगार के अवसर और अतिरिक्त राजस्व स्रोत भी मिलेंगे।

राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस के अनुसार, देश में 1,03,369 पीएसीएस हैं। हालाँकि, वे सभी क्षेत्रों में समान रूप से वितरित नहीं हैं। मंत्री शाह ने कहा कि उनके विषम वितरण को संबोधित करने के लिए, सरकार ने 15 फरवरी 2023 को अगले पांच वर्षों में ऐसे सभी पंचायतों जहां पैक्स मौजूद नहीं है वहां नए बहुउद्देशीय पैक्स या प्राथमिक डेयरी/मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना की योजना को मंजूरी दे दी है। पैक्स के कम्प्यूटरीकरण के लिए केंद्र प्रायोजित परियोजना के तहत, हार्डवेयर की खरीद, डेटा के डिजिटलीकरण और समर्थन प्रणाली की स्थापना के लिए 28 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को भारत सरकार का 488.42 करोड़ रुपये का हिस्सा जारी किया गया है।

LOCATIONS OF NCCT INSTITUTES

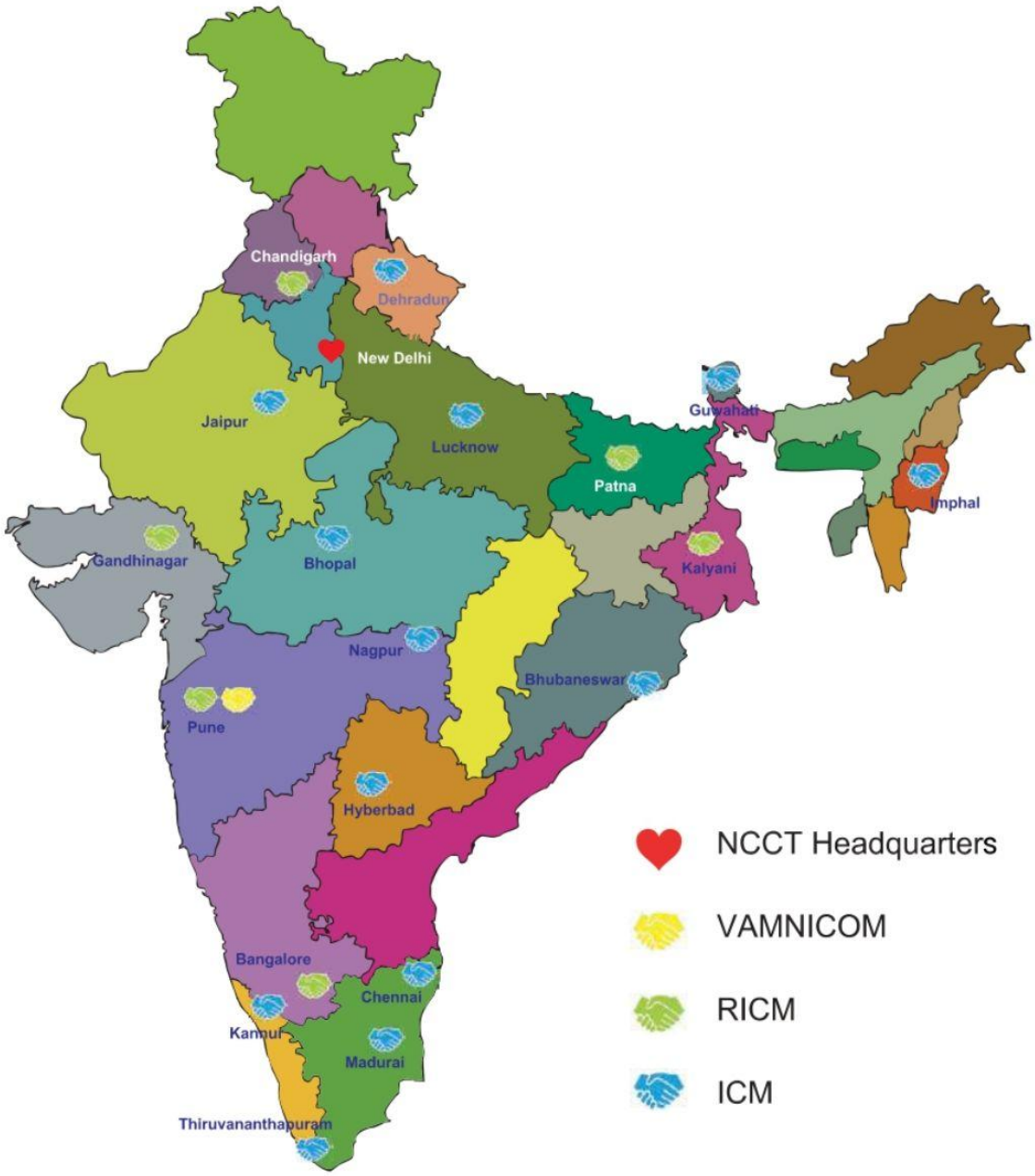

NATIONAL COUNCIL FOR COOPERATIVE TRAINING

(AN AUTONOMOUS SOCIETY PROMOTED BY MINISTRY OF COOPERATION, GOVERNMENT OF INDIA)

3, Siri Institutional Area (3rd Floor), August Kranti Marg, New Delhi-110016

011-41096510 secy-ncct@gov.in www.ncct.ac.in